(ख) क्या यह भी सच है कि सवाई माधोपुर पर रुकने वाली गाड़ियों का आरक्षण कोटा अपर्याप्त है, यदि हां, तो क्या सरकार सवाई माधोपुर पर आरक्षण कोटे में वृद्धि करने का विचार रखती है; और

(ग) क्या यह भी सच है कि छोटी लाइन की चार गाड़ियां जो सवाई माधोपुर से होकर गुजरती हैं डीजल इंजन द्वारा नहीं चलायी जाती है, यदि हां, तो इन गाड़ियों को कब तक डीजल इंजन उपलब्ध करा दिये जाने की संभावना है ?

रेल मंत्री श्री जार्ज फर्नांडीज : (क) लम्बी दूरी के यू यात्रियों के समग्र हितों को ध्यान में रखते हुए सवाई माधोपुर में, राजधानी एक्सप्रेस, स्वोंदय एक्सप्रेस और हापा-जम्मूतवी सुपरफ़ास्ट एक्सप्रेस के ठहराव परिचालनिक दृष्टि से व्यावहारिक नहीं समझे गए हैं।

(ख) सवाई माधोपुर में आरक्षण कोटे का सामान्यतः पूरा उपयोग किया जा रहा है परन्तु अन्य स्टेशनों पर भारी मांग के कारण इस स्टेशन के कोटे में वृद्धि करने के लिए कोई समायोजन करना संभव नहीं है।

(ग) डीजल इंजनों की कमी के कारण इन गाड़ियों में कर्षण का बदलाव करना कठिन है।

Allotment of accommodation to Government Employees on Ad-hoc basis

498. SHRI ISH DUTT YADAV: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) what are the rules and procedures for the allotment of Gov-ernmei t accommodation from general pool to the Government officers/ employees on ad hoc basis ;

(b how many officers/employees have been allotted Government accommodation on ad hoc basis during 1989-90 stating whether these allotments are in accordance with the prescribed rules; and

(c) what are the details of the ad hoc allotments made from the general pool within three months before the general elections 1989 and the basis on which these ad hoc allotments were made ?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI MURASOLI MARAN) : (a) The ad hoc allotment of Government residential accommodation is made on the following grounds:—

(i) Medical grounds such as T.B./Cancer, Physically handicapped Governments servants.

(ii) Dependents of the deceased and the retired Government servants.

(iii) Personal staff of the Ministers, judges of the Supreme Court and Members of Planning Commission etc.

(iv) Key personnel of the Cabinet Secretariat.

(v) Ad hoc allotment is also made in relaxation of the rules under the provisions of the SR-317B-25, depending upon the merit of each case.

(b) During the year 1989-90, a total of 1937 officers/employees have been allotted Government accommodation on ad-hoc basis. These allotments were in accordance with the criteria given against (a) above.

(c) The details of the ad hoc allotments made from the general pool within three months before

(घ) उक्त भूमि के सौदे में शामिल दोषी लोगों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) दिल्ली में ऐसे मामलों की संख्या कितनी है जो सरकार के ध्यान में आये हैं तथा उन पर क्या कार्यवाही की जा रही है?

शहरी विकास मंत्री (श्री मुरासोली मारन) : (क) जी, हां।

(ख) से (घ) उपर्युक्त (क) में बताई गई स्थिति को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता। तथापि, दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूचित किया है कि इसकी भूमि पर अतिक्रमण करने के कई बार प्रयास किये गये हैं तथा अतिक्रमणों को हटाने के लिये क्रमशः 16-1-88, 5-6-88 तथा 16-1-90 को तीन बार कार्रवाई की गई थी तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहण की गई भूमि पर सभी नये एवं हो रहे अतिक्रमण/अनधिकृत निर्माण को हटाया गया था। इसके अतिरिक्त, दिल्ली विकास प्राधिकरण ने 28 वेइमान व्यक्तियों के विरुद्ध 8 प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मुख्य सड़क पर चाहरदिवारी का निर्माण किया गया है। दिल्ली विकास प्राधिकरण के मुख्य भूमि स्थलों की सुरक्षा के लिए भूतपूर्व सैनिक/सुरक्षा गार्ड/पर्यवेक्षक नियुक्त किये गये हैं।

(ङ) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूचित किया है कि जसोला में दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहण की गई भूमि पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण/अनधिकृत निर्माण का एक और मामला था जहां बारम्बार गिराने की कार्यवाही करने के पश्चात् अक्तूबर, 1989 में लगभग 41.7 एकड़ भूमि पुनः प्राप्त की जा सकी।

कृषि उत्पादन की विकास दर में कमी आना

501. **श्री राम जेठमलानी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 27 फरवरी, 1990 के "हिन्दू" में "डिक्लाइन इन एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन ग्रोथ रेट" नामक शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस दिशा में क्या सुधारात्मक कदम उठाये गये हैं?

उप-प्रधान मंत्री और कृषि मंत्री (श्री देवी लाल) : (क) जी, हां।

(ख) पूर्व हरित क्रांति के दौरान सभी मुख्य फसलों की अखिल भारतीय उत्पादन वृद्धि दर अधिक रही थी, यह मुख्यतः क्षेत्र विस्तार के कारण हुआ। हरित क्रांति के बाद की अवधि के दौरान यद्यपि क्षेत्र वृद्धि की दर में कमी आई है, तथापि उपज स्तर की वृद्धि अधिक रही है। वास्तव में, चावल, गेहूं, खाद्य अन्न तथा सभी फसलों का उत्पादन और उनकी उत्पादकता वर्ष 1988-89 के दौरान अभी तक प्राप्त सबसे अधिक रही है।

(ग) कृषि उत्पादन में और अधिक वृद्धि किए जाने की दृष्टि से सरकार द्वारा विभिन्न कदम उठाये गये हैं। इनमें निम्नांकित शामिल हैं :—

(1) सिंचाई सुविधाओं का विस्तार

(2) प्रति इकाई क्षेत्र में उर्वरक की खपत में वृद्धि।

(3) फसलों को अधिक उपज देने वाली बौना तथा संकर किस्मों के अंतर्गत समाहित क्षेत्र का विस्तार;